[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3099 **G**

Unique Paper Code : 52051307

Name of the Paper : Hindi 'A'

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निबंध के उद्भव तथा विकास पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

संस्मरण के विकास क्रम का सामान्य परिचय दीजिए।

2. 'धूप का एक टुकड़ा' कहानी का सार लिखिए। (12)

P.T.O.

अथवा

कहानी कला की दृष्टि से 'हिली-बोन की बत्तखें' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. 'करुणा' निबंध का सार लिखिए। (12)

अथवा

निबंध के तत्वों के आधार पर 'जमुना के तीरे-तीरे' निबंध की समीक्षा कीजिए।

4. 'चीनी-भाई' के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

'वैष्णव की फिसलन' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :- (10×2=20)

(क) सारांश यह है की करुणा की प्राप्ति के लिए पात्र में दु:ख के अतिरिक्त और किसी विशेषता की अपेक्षा नहीं। पर आनंदित हम ऐसे ही आदमी के सुख को देख कर होते हैं जो या तो हमारा सुहृद या सम्बन्धी हो अथवा अत्यंत सज्जन, शीलवान या

चरित्रवान होने के कारण समाज का मित्र या हितकारी हो। यों ही किसी अज्ञात व्यक्ति का लाभ या कल्याण सुनने से हमारे हृदय में किसी प्रकार के आनंद का उदय नहीं होता। इससे प्रकट है की दूसरों के दुःख से दुखी होने का नियम बहुत व्यापक है।

(ख) धर्म की इस बुद्धिहीन दृढ़ता और देव दुर्लभ त्याग पर मन बहुत झुंझलाया। अब दोनों शक्तियों में संग्राम होने लगा, धर्म ने उछल-उछल कर आक्रमण करने शुरू किए। एक से पांच, पांच से दस, दस से पंद्रह, और पंद्रह से बीस हजार तक नौबत पहुंची, किन्तु धर्म अलौकिक वीरता के साथ बहुसंख्यक सेना के सम्मुख अकेला पर्वत की भांति अटल, अविचलित खड़ा था। अलोपीदीन निराश होकर बोले, "अब इससे अधिक मेरा साहस नहीं। आगे आपको अधिकार है।"

(ग) अपनी कथा सुनाने के लिए भी वह विशेष उत्सुक रहा करता था; पर कहने -सुनने वाले के बीच की खाई बहुत गहरी थी उसे चीनी और बर्मी भाषाएँ आती थी, जिनके सम्बन्ध में अपनी सारी विद्या-बुद्धि के साथ मैं 'आंखों के अंधे नाम नैनसुख' की कहावत चरितार्थ करती थी अंग्रेजी की क्रियाहीन संज्ञाएँ और हिंदुस्तानी की संज्ञाहीन क्रियाओं के सम्मिश्रण से जो विचित्र भाषा बनती थी उसमें कथा का सारा मर्म बंध नहीं पाता था पर जो कथाएं हृदय का बाँध तोड़कर दूसरों को अपना परिचय देने के लिए निकलती हैं, वे प्रायः करुण होती हैं।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :- (7)

(क) प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी

(ख) भारतेन्दु युग और नाटक

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3258 **A**

Unique Paper Code : 2051001002

Name of the Paper : Hindi Aupcharik Lekhan (B) (AEC)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

1. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य और क्षेत्र का परिचय दीजिए। (12)

अथवा

व्यावसायिक हिंदी का बाज़ार में क्या महत्त्व है? अपने विचार लिखिए।

2. प्रारूपण का सामान्य परिचय देते हुए प्रारूपण करते समय ध्यान देने योग्य महत्त्वपूर्ण बातों (तथ्यों) को रेखांकित कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

विज्ञप्ति किसे कहते हैं? विज्ञप्ति का एक प्रारूप तैयार कीजिए।

3. स्ववृत्त लेखन क्या है? स्ववृत्त तैयार करते समय किन-किन बातों का समावेश होना चाहिए? (12)

अथवा

सूचना के अधिकार के महत्व पर विचार व्यक्त कीजिए।

4. अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के हो रहे अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र लिखिए। (12)

अथवा

दिल्ली में हुए मैराथन के लिए एक प्रेस विज्ञप्ति तैयार कीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए : (6+6)

(क) टिप्पण की विशेषताएँ

(ख) प्रतिवेदन का महत्त्व

(ग) सामान्य हिंदी और कार्यालयी हिंदी

(घ) व्यावसायिक पत्र के प्रकार

(10,000)

question paper ... pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3078 G

Unique Paper Code : 52051122

Name of the Paper : Hindi-B

Name of the Course : B.Com. (Prog.) CBCS (LOCF)

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान ।

शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान ।।

अथवा

पद कमल धोइ चढ़ाइ नाव न नाथ उतराई चहौं ।
मोहि राम राउरि आन दसरथ सपथ सब साची कहौ ।।
बरु तीर मारहुँ लखनु पै जब लगि न पाय परवारिहौं ।
तब लगि न तुलसीदास नाथ कृपाल पारु उतारिहौं ।।

(ख) या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ ।
ज्यौं – ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं – त्यौं उज्जलु होई ।।

अथवा

इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व ज्यौं अंभ पर रावन संदभ पर रघुकुलराज है ।
पौन वारिवाह पर संभु रतिनाह पर ज्यौं सहस्त्रबाहु पर राम द्विजराज है ।
दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड पर भूषण बितुंड पर जैसे मृगराज है ।
तेज तम – अंस पर कान्ह जिम कंस पर यौं मलेच्छ – बंस पर सेर सिवराज है ।

(ग) बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल ।
लहरें टकराती अनन्त की, पाकर जहाँ किनारा ।।
हेम कुम्भ ले ऊषा सवेरे, भरती ढुलकाती सुख ।
मंदिर ऊँघते रहते जब, जगकर रजनी भर तारा ।।

अथवा

वृक्ष हो भले खड़े,

हों घने हों बड़े,

एक पत्र छाँह भी,

माँग मत, माँग मत, माँग मत,

अग्निपथ, अग्निपथ, अग्निपथ।

2. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए :-

(क) कबीरदास

(ख) तुलसीदास

3. बिहारी की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

अथवा

'भूषण का युद्ध वर्णन अत्यंत सजीव है।' इस कथन के आधार भूषण के काव्य का विश्लेषण कीजिए।

4. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' में अभिव्यक्त जयशंकर प्रसाद जी की राष्ट्रीय भावना पर विचार कीजिए।

P.T.O.

अथवा

अग्निपथ कविता का मूल प्रतिपाद्य लिखिए। (10)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :- (5 + 5 + 5)

(क) हिंदी का विकास

(ख) आदिकाल की प्रवृत्तियाँ

(ग) रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ

(घ) भारतेंदु युग की प्रवृत्तियाँ

(ङ) छायावाद

(च) किसी एक आधुनिक भारतीय भाषा का परिचय

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3207 **D**

Unique Paper Code : 2051001001

Name of the Paper : Hindi Bhasha : Sampreshan Aur Sanchar (A) (AEC)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी प्रश्न** अनिवार्य हैं।

1. संप्रेषण की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी अनिवार्यता पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

संप्रेषण की प्रक्रिया बताते हुए इसमें कोडिंग और डिकोडिंग की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

2. संप्रेषण और संचार अभिन्न है इस कथन की तर्कसंगत विवेचना कीजिए। (12)

अथवा

लिखित और मौखिक संप्रेषण का अन्तर स्पष्ट करते हुए संप्रेषण के विविध आयामों की चर्चा कीजिए।

3. संप्रेषण के विविध प्रकारों का विस्तृत विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट भविष्य की संभावनाओं के चिंतन में ही नहीं अपितु उन संभावनाओं के क्रियान्वयन में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. ब्लॉग लेखन की उपयोगिता बताते हुए जल संकट विषय पर एक संक्षिप्त ब्लॉग पोस्ट तैयार कीजिए। (12)

अथवा

एक अच्छे संपादकीय का महत्व बताते हुए एक अच्छे संपादक के गुणों का विवेचन कीजिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :- (6+6)

(क) डायरी लेखन

(ख) अप्रभावी संप्रेषण

(ग) अनुच्छेद लेखन

(घ) संचार : प्रक्रिया

(1000)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3257 A

Unique Paper Code : 2051001001

Name of the Paper : Hindi Bhasha : Sampreshan Aur Sanchar (A) (AEC)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'संप्रेषण मानव जीवन में सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (12)

अथवा

संप्रेषण प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए उसके बाधक तत्वों पर प्रकाश डालिए।

2. संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों का सविस्तार वर्णन कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

संचार के विभिन्न प्रकारों को सोदाहरण समझाइए।

3. अभाषिक संप्रेषण की विशेषताएँ बताते हुए संप्रेषण में उसकी भूमिका को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

दिल्ली के कूड़ा निस्तारण योजना अभियान पर एक सर्वेषण रिपोर्ट तैयार कीजिए।

4. डायरी लेखन का आशय और उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। अपने जीवन की किसी महत्त्वपूर्ण घटना का डायरी लेखन के अंश के तौर पर उल्लेख कीजिए। (12)

अथवा

ब्लॉग लेखन किसे कहते हैं? सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में इससे होने वाले फायदे का उल्लेख कीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए : (6+6)

(क) भ्रामक संप्रेषण

(ख) फीड बैक

(ग) संवाद लेखन

(घ) संपादकीय से अभिप्राय

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

G

Sr. No. of Question Paper : 3247

Unique Paper Code : 52051317

Name of the Paper : हिंदी भाषा और साहित्य 'ग'

Name of the Course : B.Com. (Prog.)

Semester : III

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10=20)

(क) "नौकरी में क्यों नहीं लेंगे? सामने ही खादी पहनकर गया तो क्या हुआ? जो व्यक्ति परिस्थितियाँ देखकर अपने को बदल लेता है वह वाकई बहुत हुशियार है। मनुष्य को चाहिए कि वह जैसा समय देखे वैसा करे, चाहे मन मार कर ही सही।" नेताजी ने कहा।

अथवा

मिस्टर शामनाथ सिगरेट मुँह में रखे, फिर अधखुली आँखों से माँ की ओर देखने लगे, और माँ के कपड़ों की सोचने लगे। शामनाथ हर बात में तरतीब चाहते थे। घर का सब संचालन उनके अपने हाथ में था। खूँटियाँ कमरों में कहाँ लगाई जाएँ, बिस्तर कहाँ पर बिछे, किस रंग के पर्दे लगाएँ जाएँ, श्रीमती कौन-सी साड़ी पहनें, मेज़ किस साइज की हो... शामनाथ को चिंता थी कि अगर चीफ़ का साक्षात माँ से हो गया, तो कहीं लज्जित नहीं होना पड़े। माँ को सिर से पाँव तक देखते हुए बोले—तुम सफ़ेद क़मीज़ और सफ़ेद सलवार पहन लो, माँ। पहन के आओ तो, ज़रा देखूँ।

(ख) मैंने कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया और इस मार्ग से गिल्लू ने बाहर जाने पर सचमुच ही मुक्ति की सांस ली। इतने छोटे जीव को घर में पले कुत्ते, बिल्लियों से बचाना भी एक समस्या ही थी। आवश्यक कागज-पत्रों के कारण मेरे बाहर जाने पर कमरा बंद ही रहता है। मेरे कॉलेज से लौटने पर जैसे ही कमरा खोला गया और मैंने भीतर पैर रखा, वैसे ही गिल्लू अपने जाली के द्वार से भीतर आकर मेरे पैर से सिर और सिर से पैर तक दौड़ लगाने लगा। तब से यह नित्य का क्रम हो गया।

अथवा

कितना सुन्दर संचालन है, कितनी सुन्दर व्यवस्था! लाखों सिर एक साथ सिजदे में झुक जाते हैं, फिर सबके सब एक साथ खड़े हो जाते हैं, एक साथ झुकते हैं, और एक साथ घुटनों के बल बैठ जाते हैं। कई बार यही क्रिया होती है, जैसे बिजली की लाखों बत्तियाँ एक साथ प्रदीप्त हों और एक साथ बुझ जाएँ, और यही क्रम चलता, रहे। कितना अपूर्व दृश्य था, जिसकी सामूहिक क्रियाएँ, विस्तार और अनंतता हृदय को श्रद्धा, गर्व और आत्मानंद से भर देती थीं, मानों भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए हैं।

हिन्दी गद्य के उद्भव और विकास में प्रेस की भूमिका का उल्लेख कीजिए। (12)

अथवा

हिन्दी नाटक के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए।

'ईदगाह' कहानी के आधार पर हामिद के गुणों का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

'चीफ़ की दावत' कहानी के उद्देश्य पर विचार कीजिए।

4. 'गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएँ' - निबंध के आधार पर ग्रामीण संस्कृति और लोक जीवन पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

निबंध के तत्वों के आधार पर 'ज़बान' निबंध की समीक्षा कीजिए।

5. 'गंगा स्नान करने चलोगे?' पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

विष्णु प्रभाकर की रचना 'वापसी' के कथ्य को स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखें : (7)

(क) 'गिल्लू' रचना का सारांश

(ख) प्रेमचंद युगीन कहानी

(ग) संस्मरण की विशेषताएँ

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3209 **D**

Unique Paper Code : 2051001003

Name of the Paper : Social Media Aur Blog Lekhan (C) (AEC)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सोशल मीडिया का अर्थ बताते हुए इसके उपयोग की सार्थकता लिखिए। (12)

अथवा

सोशल मीडिया की परिभाषा देते हुए इसका महत्त्व लिखिए।

2. 'यू-ट्यूब ने आजकल पढ़ाई को आसान कर दिया है, लेकिन इसकी कुछ सीमाएँ हैं।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। (12)

P.T.O.

अथवा

ब्लॉग लेखन क्या है? ब्लॉग एवं ब्लॉगिंग के बारे में जानकारी दीजिए।

3. 'वन बचाओ अभियान' के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (12)

अथवा

निजी ब्लॉग बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

4. सोशल मीडिया से चुनावी परिणाम पर क्या प्रभाव पड़ा – इस विषय पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। (12)

अथवा

सोशल मीडिया पर चलने वाले किसी समाचार चैनल पर आलेख तैयार कीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए : (6 + 6)

(क) विकिपीडिया

(ख) ट्विटर की उपयोगिता

(ग) ब्लॉग के फायदे

(घ) मेंटल हेल्थ और सोशल मीडिया

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

D

Sr. No. of Question Paper : 3171

Unique Paper Code : 2056001002

Name of the Paper : रंगमंच (SEC2)

Name of the Course : **Common Prog. Group**

Semester : I

समय : 2 घंटे

पूर्णांक : 80 अंक

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भरतमुनि का नाट्यशास्त्र रंगमंच का आधार है-मूल्यांकन कीजिये। (20)

अथवा

हिंदी के पारंपरिक रंगमंच में रामलीला पर प्रकाश डालिए।

2. प्रस्तुति प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का परिचय देते हुए पूर्वाभ्यास के महत्व को रेखांकित कीजिये। (20)

अथवा

अभिनय के चार प्रकारों का परिचय देते हुए वाचिक अभिनय की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

3. दृश्य परिकल्पना रंगमंचीय प्रस्तुति में क्या भूमिका निभाती है स्पष्ट कीजिये। (20)

अथवा

सफल नाट्य प्रस्तुति में सेट ओर ब्रोशर निमार्ण की क्या भूमिका है? वर्णन कीजिये।

4. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए - (10 + 10 = 20)

(क) साहित्यक अभिनय

(ख) आलेख का चयन

(ग) ब्रोशर निर्माण

(घ) थियेटर गेम्स

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3100 **G**

Unique Paper Code : 52051316

Name of the Paper : हिन्दी गद्य उद्भव और विकास (ख)

Name of the Course : **बी.कॉम. (प्रोग्राम)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित अवतरणों के सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10=20)

(क) "नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मजार है। निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए। ऐसा काम ढूँढ़ना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते फिर

P.T.O.

लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ सोता है जिससे सदैव प्यास बुझती है। वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसकी बरकत होती है।

अथवा

मैं लुब्ध और मुग्ध होकर उनकी घनी-गहरी छायाएं देखता रहता हूँ.... क्योंकि --- क्योंकि मेरा यह पेड़, यह अच्छाई का पेड़ छाया प्रदान नहीं कर सकता, आश्रय प्रदान नहीं कर सकता, (क्योंकि वह जगह-जगह काटा गया है) वह तो कटी शाखाओं की दूरियों और अंतरालों में से केवल तीव्र और कष्टप्रद प्रकाश को ही मार्ग दे सकता है।

(ख) अगर आदमी अपने शरीर की, मन की और वाक् की अनायास घटने वाली वृत्तियों के विषय में विचार करे, तो उसे अपनी वास्तविक प्रवृत्ति पहचानने में बहुत सहायता मिले। पर कौन सोचता है? सोचना तो क्या, उसे इतना भी पता नहीं चलता कि उसके भीतर नख बढ़ा लेने की जो सहजात वृत्ति है, वह उसके पशुत्व का प्रमाण है। उन्हें काटने की जो प्रवृत्ति है, वह उसकी मनुष्यता की निशानी है और यद्यपि पशुत्व के चिन्ह उसके भीतर रह गए हैं, पर वह पशुत्व को छोड़ चुका है। पशु बनकर वह आगे नहीं बढ़ सकता।

अथवा

इस अन्याय के विरुद्ध मुझे कुछ करना चाहिए; पर अचानक ही मेरे मानस-पट पर उदय हो आने वाले दो स्मृति-चित्र, शब्दों को कण्ठ से ओठों तक आने ही नहीं देते। उनकी रेखाएं समय ने फीकी कर दी हैं। पर उनमें भरा हुआ विषाद का रंग, न उससे धुल सका है, न धूमिल हो सकता है। कभी-कभी किसी दृश्य, चित्र या व्यक्ति को देखकर हमें उसका विरोधी दृश्य, चित्र या व्यक्ति स्मरण हो जाता है। मुझे भी इन हँसोड़, प्रसन्न और बात-बात पर उलझने वाले माँ-बेटों को देखकर बिबिया और उसकी माई याद आ जाती है।

2. हिंदी कहानी की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

हिंदी उपन्यास के क्रमिक विकास पर विचार कीजिए।

3. "नमक का दारोगा" कहानी की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

"गुण्डा" कहानी के आधार पर नन्हकूसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. "ईमानदारी" निबंध के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है? (12)

अथवा

"नाखून क्यों बढ़ते हैं" निबंध के शीर्षक पर विचार कीजिए।

5. "बिबिया" के आधार पर बिबिया की संघर्षशील करुण कथा का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

"अंधेर नगरी" प्रहसन की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

6. निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी कीजिए : (7)

(क) हिंदी संस्मरण

(ख) शुक्ल युगीन हिंदी निबंध

(ग) भारतेन्दुयुगीन नाटक